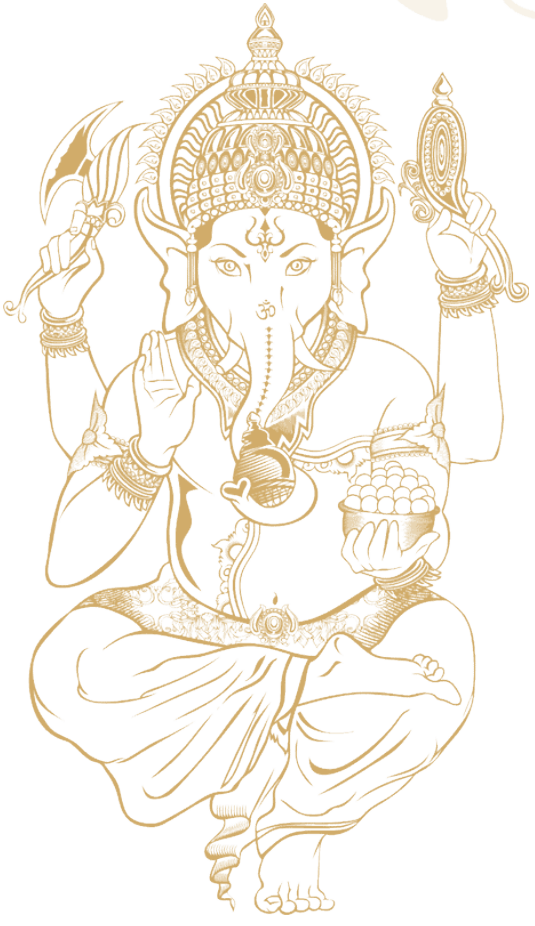

Mr.kapil

Ms.gauri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120486210

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/12/2001	जन्म तिथि	15/04/2000
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 08:22:58	जन्म समय(घटी)	33:20:04 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Hathras
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:48	सूर्योदय	05:53:33
17:33:50	सूर्यास्त	18:42:40
23:52:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 8मा 25दि	09:06:27	कुंभ	लग्न	तुला	09:53:10	शुक्र 4वर्ष 11मा 5दि
गुरु	13:39:34	धनु	सूर्य	मेष	02:02:05	मंगल
24/09/2024	27:38:39	वृष	चंद्र	सिंह	23:22:45	21/03/2021
24/09/2040	20:57:28	कुंभ	मंगल	मेष	23:12:46	21/03/2028
गुरु 12/11/2026	27:20:30	धनु	बुध	मीन	10:06:25	मंगल 18/08/2021
शनि 25/05/2029	17:09:51	मिथु व	गुरु	मेष	18:40:11	राहु 05/09/2022
बुध 31/08/2031	09:46:06	धनु	शुक्र	मीन	16:59:37	गुरु 12/08/2023
केतु 06/08/2032	15:37:34	वृष व	शनि	मेष	23:22:43	शनि 20/09/2024
शुक्र 07/04/2035	03:19:13	मिथु	राहु व	कर्क	05:54:25	बुध 17/09/2025
सूर्य 24/01/2036	03:19:13	धनु	केतु व	मक	05:54:25	केतु 13/02/2026
चन्द्र 25/05/2037	28:27:03	मक	हर्ष	मक	26:19:48	शुक्र 15/04/2027
मंगल 01/05/2038	13:28:07	मक	नेप	मक	12:34:22	सूर्य 21/08/2027
राहु 24/09/2040	22:03:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:47:04	चन्द्र 21/03/2028

लग्न-चलित

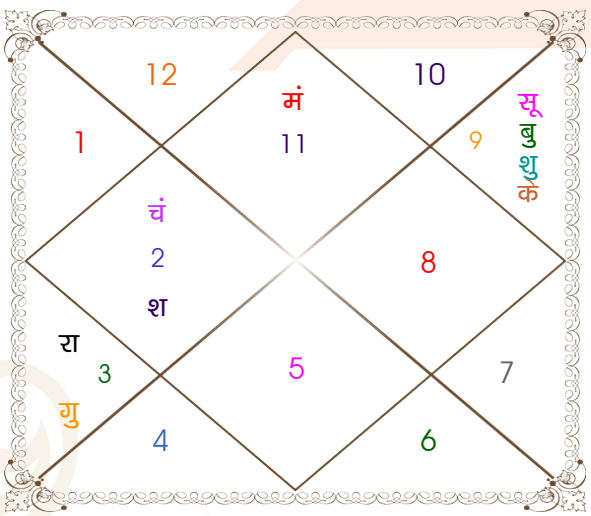

लग्न-चलित

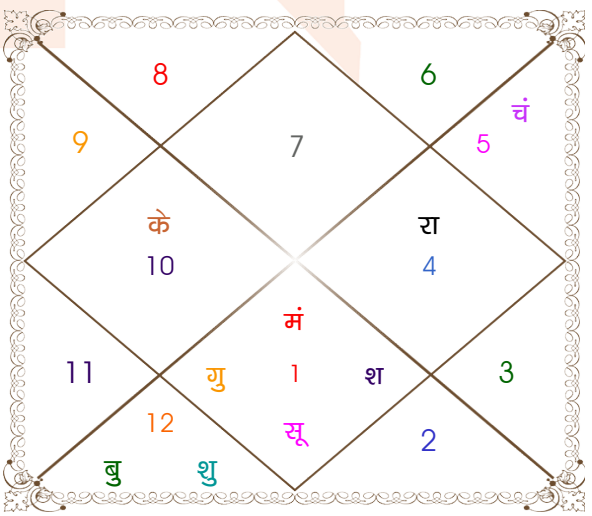

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.kapil का नक्षत्र मृगशिरा है।

Mr.kapil का वर्ग मृग है तथा Ms.gauri का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.kapil और Ms.gauri का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.kapil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms.gauri मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.gauri कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.gauri कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो

जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.gauri कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr.kapil तथा Ms.gauri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।